

# NCERT Solutions of Vigyan Class 10th: Ch 16 प्राकृतिक संसाधनों का समपोषित प्रबंधन विज्ञान

## प्रश्न

पृष्ठ संख्या : 303

1. पर्यावरण-मित्र बनने के लिए आप अपनी आदतों में कौन-से परिवर्तन ला सकते हैं?

## उत्तर

हमलोग अधिक पर्यावरण मित्र बनने के लिए कई कदम उठा सकते हैं -

- (i) हम पाँच प्रकार के 'R' का उपयोग करेंगे। जो कि निम्नलिखित है - इनका कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनः चक्रण, पुनः प्रयोजन।
- (ii) अनावश्यक रोशनी और पंखों को बंद करना।
- (iii) वाहनों में सी.एन.जी गैस का उपयोग करना।
- (iv) बसों या ट्रेन जैसे स्थानीय परिवहन का उपयोग करना।

2. संसाधनों के दोहन के लिए कम अवधि के उद्देश्य के परियोजना के क्या लाभ हो सकते हैं?

## उत्तर

यदि अल्पकालिक उद्देश्यों के साथ संसाधनों का शोषण किया जाता है तो यह वर्तमान पीढ़ी के लिए बहुत फायदेमंद होगा क्योंकि यह तेजी से अर्थव्यवस्था के विकास में मदद करेगा।

3. यह लाभ, लंबी अवधि को ध्यान में रखकर बनाई गई परियोजनाओं के लाभ से किस प्रकार भिन्न है।

## उत्तर

→ यदि संसाधनों का उपयोग अल्पकालिक उद्देश्यों के अनुसार किया जाता है, तो वर्तमान पीढ़ी विकास और विकास के लिए संसाधनों का उचित उपयोग करने में सक्षम होगी।

→ लेकिन अगर हम दीर्घकालिक उद्देश्यों के साथ संसाधनों का उपयोग करते हैं, तो भविष्य की पीढ़ी भी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम होगी।

→ इस प्रकार हमारे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के साथ करना बेहतर होगा ताकि वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ भविष्य के उपयोग के लिए संरक्षित किया जा सके। लेकिन यह भविष्य संसाधनों को → इन संसाधनों के लाभ से वंचित कर देगा क्योंकि संसाधन पूर्ण हैं।

4. क्या आपके विचार में संसाधनों का समान वितरण होना चाहिए? संसाधनों के समान वितरण के विरुद्ध कौन-कौन सी ताकतें कार्य कर सकती हैं।

## उत्तर

पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों को समान रूप से लोगों के बीच वितरित किया जाना चाहिए ताकि प्रत्येक व्यक्ति को संसाधन का अपना हिस्सा मिल सके। मानव लालच, भ्रष्टाचार, अमीर और शक्तिशाली लोग संसाधनों के न्यायसंगत वितरण के खिलाफ काम कर रहे बल हैं।

पृष्ठ संख्या : 308

1. हमें वन एवं वन्य जीवन का संरक्षण क्यों करना चाहिए ?

**उत्तर**

हमें वनों और वन्यजीवों को संरक्षित करना चाहिए क्योंकि वे निम्नलिखित शर्तों में हमारे लिए आवश्यक हैं:

- वन हमें ऑक्सीजन प्रदान करता है, वे बारिश होने का कारण बनते हैं।
- वन मिट्टी के कटाव को रोकता है।
- पौधे जानवरों और पक्षियों पर उनके परागण और बीज फैलाव के लिए निर्भर हैं।
- वन हमें विभिन्न दवाएं प्रदान करते हैं।
- उद्योगों में कच्चे माल के रूप में विभिन्न वन उत्पादों का उपयोग किया जाता है।

2. संरक्षण के लिए कुछ उपाय सुझाइए।

**उत्तर**

वनों के संरक्षण की दिशा में कुछ दृष्टिकोण हैं:

- वनों को राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों में परिवर्तित करना।
- वन संरक्षण में स्थानीय लोगों की मदद लेने के लिए।
- सड़कों, बांधों और होटलों आदि बनाने के लिए जंगलों के विनाश की अनुमति नहीं देना
- पेड़ों की रोपण में वृद्धि की जानी चाहिए।

पृष्ठ संख्या : 311

2. इस पद्धति की पेय जल व्यवस्था (पर्वतीय क्षेत्रों में, मैदानी क्षेत्र अथवा पठार क्षेत्र) से तुलना कीजिए।

**उत्तर**

मैदानी इलाकों में, पानी की कटाई संरचनाएं अर्ध-आकार के मिट्टी के तटबंध हैं। ये कम, सीधे और ठोस हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में, नहर सिंचाई की प्रणाली जिसे कुलहिसिस कहा जाता है, कटाई के लिए पानी का उपयोग किया जाता है।

इसमें एक धारा में वर्षा जल का संग्रह शामिल है, जिसे फिर पहाड़ी किनारे के नीचे मानव निर्मित चैनलों में बदल दिया जाता है।

**अभ्यास**

पृष्ठ संख्या : 314

1. अपने घर को पर्यावरण-मित्र बनाने के लिए आप उसमें कौन-कौन से परिवर्तन सुझा सकते हैं?

## उत्तर

परिवर्तन जो हमारे घरों में पर्यावरण के अनुकूल होने के लिए किए जा सकते हैं:

- उपयोग में नहीं होने पर बिजली के उपकरणों को बंद करें।
- लीकिंग या स्नान करने और लीकिंग नल की मरम्मत करते समय नलियां बंद करें।
- अलग-अलग डिब्बे में बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट फेंको।
- कंपोस्टिंग पिट का निर्माण।
- जाम, अचार, आदि जैसे खाद्य पदार्थ, प्लास्टिक की बोतलों में पैक आते हैं। इन बोतलों को बाद में रसोई में चीजों को संग्रहित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

2. क्या आप अपने विद्यालय में कुछ परिवर्तन सुझा सकते हैं जिनसे इसे पर्यानुकूलित बनाया जा सके।

## उत्तर

हमारे स्कूलों में पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए किए जा सकने वाले परिवर्तन ये हैं:

- आवश्यकता होने पर रोशनी और पंखों को बंद करके विद्युत बचाया जा सकता है।
- उपयोग में नहीं होने पर नलियां बंद करें।
- बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को अलग-अलग डिब्बे में फेंक दिया जाना चाहिए।

3. इस अध्याय में हमने देखा कि जब हम वन एवं वन्य जंतुओं की बात करते हैं तो चार मुख्य दावेदार सामने आते हैं। इनमें से किसे वन उत्पाद प्रबंधन हेतु निर्णय लेने के अधिकार दिए जा सकते हैं? | आप ऐसा क्यों सोचते हैं?

## उत्तर

सरकार के वन विभाग को वन उत्पादन के प्रबंधन का निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि वन विभाग वन भूमि का ख्याल रखने वाला है और जंगल को किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

4. अकेले व्यक्ति के रूप में आप निम्न के प्रबंधन में क्या योगदान दे सकते हैं।

- (a) वन एवं वन्य जंतु
- (b) जल संसाधन
- (c) कोयला एवं पेट्रोलियम?

## उत्तर

(i) वन और वन्यजीव:

- हमें पेड़ (वनों की कटाई) के काटने के खिलाफ विरोध करना चाहिए।
- हमें जंगली जानवरों के शिकार के खिलाफ विरोध करना चाहिए।
- हमें अपने उपयोग के लिए वन भूमि के कब्जे को रोकना चाहिए।

(ii) जल संसाधन:

- ब्रशिंग या स्नान करने और लीकिंग नल की मरम्मत के दौरान नलियां बंद करें।
- हमें वर्षा जल संचयन का अभ्यास करना चाहिए।
- हमें नदियों और अन्य जल संसाधनों में सीवेज और अन्य अपशिष्टों के निर्वहन से बचना चाहिए।

(iii ) कोयला और पेट्रोलियम:

- हमें पेट्रोलियम के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए बस या कार पूलिंग करना चाहिए।
- हमें कोयला का उपयोग ईंधन (एंजिथिस) के रूप में करना बंद कर देना चाहिए।

हमें कोयले और पेट्रोलियम पर निर्भर करते हुए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे हाइड्रो-एनर्जी और सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए।

5. अकेले व्यक्ति के रूप में आप विभिन्न प्राकृतिक उत्पादों की खपत कम करने के लिए क्या कर सकते हैं?

**उत्तर**

पानी, जंगल, कोयले और पेट्रोलियम आदि जैसे प्राकृतिक संसाधन मनुष्यों के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। जिन तरीकों से हम विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों की खपत को कम कर सकते हैं वे हैं:

- हमें पेड़ (वनों की कटाई) काटने से रोकना चाहिए।
- हमें पेड़ के काटने को कम करने के लिए पुनर्नवीनीकरण पेपर का उपयोग करना चाहिए।
- हमें पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए।
- हमें वर्षा जल संचयन का अभ्यास करना चाहिए।
- पेट्रोलियम के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए हमें कार पूलिंग का अभ्यास करना चाहिए।
- हमें ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे जलविद्युत और सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए।

7. इस अध्याय में उठाई गई समस्याओं के आधार पर आप अपनी जीवन-शैली में क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे जिससे हमारे संसाधनों के संपोषण को प्रोत्साहन मिल सके?

**उत्तर**

हमारे संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में एक कदम में जीवन शैली में निम्नलिखित परिवर्तनों को शामिल करना चाहिए:

- पेड़ काटने पर पाबंदी लगानी चाहिए और पेड़ लगानी चाहिए।
- माल ले जाने के लिए प्लास्टिक और पॉलिथिन बैग का उपयोग बंद करो।
- पुनर्नवीनीकरण कागज का प्रयोग करें।
- अलग-अलग डिब्बे में बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट फेंको।
- लीकिंग नल का उपयोग और मरम्मत करते समय न्यूनतम मात्रा में पानी बर्बाद करें।
- वर्षा जल संचयन का अभ्यास करें।
- छोटी दूरी के लिए वाहनों का उपयोग करने से बचें। इसके बजाए, कोई छोटी दूरी को कवर करने के लिए चल सकता है या चक्र चला सकता है।
- लंबी दूरी को कवर करने के लिए, किसी को व्यक्तिगत वाहनों का उपयोग करने के बजाय बस लेनी चाहिए।
- उपयोग में नहीं होने पर बिजली के उपकरणों को बंद करें।
- बिजली बचाने के लिए बल्बों के स्थान पर फ्लोरोसेंट ट्यूबों का प्रयोग करें।
- सीढ़ियां लें और लिफ्टों का उपयोग करने से बचें।
- सर्दियों के दौरान, हीटर का उपयोग करने से बचने के लिए एक अतिरिक्त स्वेटर पहनें।

eVidyaarthi